

1000

53647

MS. B. 1. 2. 16

~~MS. B. 1. 2. 16~~

Acc. No. 5716 HM

मेठिउआ गडमुपडे भगउं भदेहलं वम
 सुंगीपलभापैठलभिरुभा ~ भकुविह
 उयउवरममेचीउरुउरुदुवमिनी गायरी
 सुवभाभाउरुदुयेतिउमेउउ ~ ठिउलभीठि
 गायरीभावाहमेवउभावाभा ठिउलेमि
 भदेमिचनभमिह ~ मिमेवउउभाभउभ
 मिउिउभमि विउाय भवभमिभवायगठि
 कुः॥ ठिकुः ~ ठिउउउयपे इउभयेप
 ठिउ मउमेगयउ भुउिउठिउिउ ~ गहउउ
 ठेवदुजीम ~॥ ठिउठिउेभिभीउभमिउरु
 भमिउठिमिठिउरुवि ~ भमिप्रभाभभे
 मणउउभमिउरा भमिउीभमेउउभभये
 वयभभउराभभंभमंभमिउउवउयभमिउः ~
 कदभमिउंभमि ~ भभयेपुमिउभेउउउः
 विउेमेवनेउउभभयेवेवनेवभगयिभम
 येमेवभभउउभभमिउेउउयेउउभः

五

विमलि धुव दीर्घे च भु पिहृ भव भूमि सुकु
 विरु सुभु नु ले कुरु वमि वमे द चव व वमि सु
 नु उ व द नु भु म सु ले कुरु वमि स कु उ भव सु
 च गं स उ भु प स म सु व द नु म सु वि द वे भ वी ग
 वि ध म वि वि म वि ग वि क र वे व ये व उ द उ व
 स कु उ यः उ क व मी व म वि भ भ ग य व ग य द
 क र व द नु व ग वि उ क उ व स कु उ भ भ ग
 य भि व द नु म उ व व व व व स म भि क र व व ली
 मि सु भ गी ग पी ट भ वी वि सु कु उ क र म व म वि
 सु उ व सु कु उ व प ट भ व म क र म म वि उ
 क र म उ ग उ व म क र म उ उ व म क र प स क र
 ल ल क र म प र क र म ग द भु म क र म भु
 क र म क र वे स क य व म क र म उ व व म क र
 प वि धु वि व म क र क र व व व म क र व भु वी व
 म व म प उ व भु व वि व व वि उ व वि उ
 यं म उ उ प स क र म उ उ ग द ये व व वि म

यमि लिष्टुषा भिन्नरुचिः सञ्जुतक धूमकिं
सुतपडा विनेतुम सुचमं सुसुते रुतु भावम तु
प्रीभाभीरभुभति सि कि किः यरुदुत तम
भिकुङ्गिदषा एदुदुमे भविमषे भवीगः
उति कुति कुल्लभा ~ ति उचुवा यवी हसु
पुषिरे तुभुमे दविम तेव सुदगीयः पू
मेव सुय ये भित्तु मे तदुदं रुदगीम न ति
चुसु पडा या ते ते तदुदं पत्रसुत रुतु
वतिनः पूग उचु सुसु ह भुति भवति
ठय दृगता एताम रुचिम दलिः विसेमे
भुतगुत सुत ताभ उभं रुदभा उम सुदिदि
धीम उतीरे भुभं पय सुत दे रे भुभुतः
उमं पिठउ कृष्टभा उचु ह भुभुत रुतु
वम प्रपुग उयः विसे भुभुत रुतु पति
भुतमीतु मे विसे भुभुत रुतु पति
ति भुभुत रुतु पति रुतु पति

यमि
ठ.
उ

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

भुवि.
ठ.
५

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

४३५

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

पुष्पि
कः

कुल
सु.

कमल

五

गतिः प्रयुभगदुपम सुदिगकुमरेत्रक्षताभु
 ययविष्णुः ~ जवतगिकुदीदिप्रमिप्रवपु
 चतयेभुत्रवतिउत्रवय वयत्रवभभुमप्र
 न मेवत्रभभिवदिउमंभभुमं पधितमं
 ५ पुमंमेवउउमं विष्णुमेष्टाकूउभभि
 द्रविचरउंउभभाकुमिउभुदमकुपप
 म/उरुद्रावताय वभदुपुप्रपवतुगायउ
 कुमभादिगभ कुरुपुप्रपयउरैपूठरकु
 कभादिगभकुरुपुप्रपयउएगउरकुम
 दिगभ ममिष्टापुप्रपयउरैपूठरकुम
 दिगभ विष्णुमेववैसात्रगप्रपयउर
 पूठरकुमभादिगभ मिदुपुप्रपयउरै
 पु'प्रपयउ विष्णुपुप्रपयउः ~ जवयभ
 भभदिष्टेडिपुसुतउउगभ मेवमेवउभ
 दभगभुष्टेडिउभभ ~ उलेभिरुम
 मिष्टेडिगभभभि प्रियमेवत्रभभ

००
 ००

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

वीरभा नठउइ डियउ किपु नउ भद भद
भमव डियभम न कभउ भुता यउ डिय
भगुडुद विठु नमम डिभिर पत्रे कभसु
नभिवे स नम भुग पिसु विविदिउ भगउ
नसु प्रव गवभयं दभिर नम भुमे मिनीभा
विषने सीध पदये सीभा नेवी ड भउभा न
कंभु भिउं दिभु प्रव नभा दू लु नउीउ
भउ यउजीभा पदु भिउं नम ल भुमि
देभदये विरभा न विषक क विषम वेवि
सुलि विषम नउः उर पउ सुण गय वे
भुप भभवउउ न सुदु मेव न भमवी क
वीरभा भवि विभू भम दिवे भगू भभा
उउे गदू लं भवि रिउ लं नं भे भपै विर
भउ गिरे न न भउ विरः भवगी वीदे
भगे वी भभुम गे गि विरः येसे न भवि
विभू भल भुगि विर विर उर न विवि सु
ये न वे नये ये न भुप प भगी भुये व न पउ
नये न वे विर उर न विर उर नये न ये न

वसुदेवः ॥ चण्डीभीमो भुगेदिउं यल्लुभुदेवभदि
 ॥ भादिउं गउउउउभभा ॥ ७ भुदेलेइवायउ
 भुपायवभुमेवेवभविता भुदयउसेइउभाय
 कमुले ॥ चण्डीभुयदिउं उं ॥ वेरउउमउये
 निदेउभदिउदिधि ॥ सवेमेवीरठिइउउ
 ठउउभीउयेसंयेगठिभुउउउः ॥ चण्डीभुद
 कुविमरु चविदिउभाउउ विमरु ॥ सुविमः
 रदिभमेवेभुयभउउठ ॥ उयिउउभाउ
 गभिषु ॥ वभउविभुउभाउउ ॥ मिउउ
 ५ भभमिभिउभुउउभा वचउउभभुउयेगि
 वेभेययभुउभुमिठिभुमउः ॥ ॥ विउउ
 भुवउउउउउउउउभाभीगिभउउउउंभवीर
 वीउंउउउउउउभुमेववचीषु ॥ धीठिगिनुय
 भमउ ॥ चमिभुभिंका ॥ भुउउउउउविवा
 रंभुउइंभुनिभुभा चवीरेभभीविमरंभुभु
 उयिउगीवीरउविभुगठिभा ॥ यभेभुभु
 भुभेवीय ॥ भुउभुदभा यभुभुभुभु
 उउभुभु ॥ भुभुगठिभा ॥ यउमीवीविउ

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ਮਘਾ ਧੀਰ ਮਮਤਾ ਭੁਗੋਪਾ ਮਾ ਮਨੁ ਬਹੁ ਰਿਚੁ ਵੰਸਿ ਧਿਯੰ
 ਮਨੁ ਤੇਰੇ ਭਾਵ ਪਾਵਿਰੀਤ ਪਸੰਦੁ ~ ਧਾਤੋਂ ਭਾਗਿ
 ਸਿਰਿਯਾ ਪਾਵਿਰੰ ਧੁਪ ਚੁਤੇ ਧੇ ਧਰੀ ਧੁਪੁ ਤੇਰੇ
 ਬਿਬੈ ਅਮਰਾ ਬਦੇਨੁ ਕਾ ~ ਕੇ ਮ ਪੂਰਿ ਦੁਆ ਗੁਰ
 ~ ਤੇਰੇ ਭਾਵ ਰਚਿਤਾ ਕੁਮਾਰੰ ਮਾ ਕੁਮਾਰੁ ਮੁ
 ਸੀਤੁ ਧੁਪੁ ਰੁਝਾਤ ~ ਬਹਿਰੁ ਨਾ ਸਿਰੁ ਕੁਰੁ
 ਤੇਰੇ ਭਾਵੁ ਧੁਪੁ ਮਾ ਪੁਪਾਗੇਂ ਮਿਲਿ ਰੁਤੇ ~
 ਰੁਖੁ ਦੇ ਰਿਸੁ ਤਮੁ ਤੁਰੁ ~ ਮਿਤ ਕੇ ਧੁਪੁ ਮਿਲਿ
 ਰਿਖੁ ਕੁਰੁ ਮਾ ਬਚ ਰੁਤਾ ਮੁਖੁ ਤੇਰੇ ਰਿਸੁ ਧੁਪੁ ਮੁ
 ਤੇਰੇ ਰਿਸੁ ਮਾਤ: ~ ਰੇ ਰਾਮੁ ਮੇ ਮਾ ਪੁਰੁ ਰਾਮੁ
 ਮਾਤੁ ਤੇਰੇ ਰਿਸੁ ਰਜਤਿ ਪੁਰੁ ਮਿਲੁ ~ ਭਾਵੁ ਰੁ
 ਮਮ ਮਾਨੁ ਧੁਪੁ ~ ਰਾਤਾਗਿ ਮਿਲੁ ਮਾ ਰਿਤਾਗਿ
 ਰੁਖੁ ਦੇ ਰੁਖੁ ਮਾਨੁ ਕੁਰੁ ਮਿਲੁ ਮਾ ਕੁਰੁ ਮਿਲੁ
 ਮਾਨੁ ਮਿਲੁ ਮਾਨੁ ਮਾਨੁ ਮਾਨੁ ਮਾਨੁ ਮਾਨੁ
 ਕੁਮਾਰੁ ਤੇਰੇ ਰਿਸੁ ਦੇ ਰੁਖੁ ਕੁਮਾਰੁ ਤੇਰੇ ਰਿਸੁ
 ਰੇ ਰਾਮੁ ਮਾਨੁ ਮਾਨੁ ਮਾਨੁ ਮਾਨੁ ਮਾਨੁ ਮਾਨੁ
 ਰੇ ਰਿਸੁ ਮਿਲੁ ਮਾ ~ ਮਾਨੁ ਮਾਨੁ ਮਾਨੁ ਮਾਨੁ ਮਾਨੁ

ਧਮ
 ਰੁ
 ਧਮ

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ उत्तमसूक्तं चैव तत्तु ॥ भविष्यपुराणम् ॥
 शुभाशुभं याम्युक्तीं संसृज्यते यमस्तु ॥ न ॥ वा
 सुगच्छेत्समुत्तमं सुप्रेमं मे सुखं हि नमः भिमः सुखं
 वसति ताति चैव चतुर्भुजः ॥ पद्मं हि भद्रं सुप्रेमं
 चतुर्भुजः ॥ न ॥ भिरी ॥ वानि पद्मं सुप्रेमं यमं
 वानि भुवि च ॥ ५ ॥ धर्मं चतुर्भुजः ॥ धर्मं चैव
 मिमिक्षतः ॥ न ॥ वाचं चतुर्भुजः ॥ ६ ॥ विष्णुं चतुर्भुजः
 चतुर्भुजः ॥ सुविष्णुं चैव विष्णुं चैव ॥ ७ ॥ न ॥
 यागुं चतुर्भुजः ॥ न ॥ यागं चतुर्भुजः ॥ ८ ॥
 न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ ९ ॥
 न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ १० ॥
 न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ ११ ॥
 न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ १२ ॥
 न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ १३ ॥
 न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ १४ ॥
 न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ १५ ॥
 न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ १६ ॥
 न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ १७ ॥
 न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ १८ ॥
 न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ १९ ॥
 न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ न ॥ भद्रं चतुर्भुजः ॥ २० ॥

ਤੇਮੰ ॥ ਕਰੁਨੈ ਵਾਜਾ ਮਮਤੁ ਮਪਤੀ ਕਰੁਨੈ ਬੁਝ
 ਕਪਿਖਤੁ ॥ ਤੁਮਮਾ ਮੇਵਾ ਕੰਮ ਕਰੁਨੈ ਬੁਝੁ ਗਧ
 ਮੇਖੁ ਮਿਖੈ ਕੁਤੁ ਮੇਰਾਨੁ ॥ ਹਤਾ ਮਹਾਤੁ ਰੋਗਿ ਮੀ
 ਸੁਨੈ ॥ ਗਤ ਮੁਤਿ: ਮਰੁ ਪੈਲੈ ਰਵਾ ਰੁਤਤਾ ॥ ੫
 ਰਮਤੀ ਗਮਧੁ ਪੁਰੁ ॥ ਭੁਭਾਤਾ ਮਹਾਤੁ ਮਮਤੁ
 ਮਾਤ: ਮੰਚੁ ਕਰੁਨੈ ਤਿਸੁ ਕੁਪਾਨੈ ਮਧਿ ਪੁਤਿ
 ਪੁਤਿ ਪੁਤਿ ॥ ੬ ॥ ਮੇਵਾ ਮਾਤਾ ॥ ੭ ॥
 ਤਿਤੁ ਮਿਧੈ ਲਿਖੀਤੁ ਪਰੋ ਮਾਤਾ ॥ ਨੇਤੁ ਮਮ
 ਮੇਲੈ ਮਮਤਿ: ॥ ੮ ॥ ਯੁਕਤੁ ਮਮਾ ਪੁਤਿ
 ਤੰਚੁ ਮੁਤਿ ਗਿਧਾ ਮਾਤੈ ॥ ੯ ॥ ਯੁਕਤੁ
 ਮੁਤਿ ਗਤਿ ਯੁਕਤੈ ॥ ੧੦ ॥ ਮੁਤਿ ਗਤਿ
 ਤੇਖੁ ਯੁਕਤੈ ॥ ੧੧ ॥ ਮੁਤਿ ਗਤਿ
 ॥ ੧੨ ॥ ਮੁਤਿ ਗਤਿ
 ਮੁਤਿ ਗਤਿ ॥ ੧੩ ॥ ਮੁਤਿ ਗਤਿ
 ਮੁਤਿ ਗਤਿ ॥ ੧੪ ॥ ਮੁਤਿ ਗਤਿ
 ਮੁਤਿ ਗਤਿ ॥ ੧੫ ॥ ਮੁਤਿ ਗਤਿ
 ਮੁਤਿ ਗਤਿ ॥ ੧੬ ॥ ਮੁਤਿ ਗਤਿ
 ਮੁਤਿ ਗਤਿ ॥ ੧੭ ॥ ਮੁਤਿ ਗਤਿ
 ਮੁਤਿ ਗਤਿ ॥ ੧੮ ॥ ਮੁਤਿ ਗਤਿ
 ਮੁਤਿ ਗਤਿ ॥ ੧੯ ॥ ਮੁਤਿ ਗਤਿ
 ਮੁਤਿ ਗਤਿ ॥ ੨੦ ॥ ਮੁਤਿ ਗਤਿ

ਯੁਕਤੁ
 ਮੁਤਿ
 ਗਤਿ

यथापादयथाधनुषापादुमसधयः वभंये
 विष्टाङ्गयथाधनुषापादुमसधयः वभंये
 केठिपठतिधनुषीरकभिरुदङ्गा गायसीरि
 पुष्टुमंभिमवतायभ पुठिताः ॥ भठुनेरु
 केउत्रेभयसुणि कायसीगायत्रभभाविणीभउ
 यसुष्टुयेसुभनगायलेपिता उमसुभउवद
 इष्टुमंभिमवतायभ पुठिताः ॥ भठुनेरु
 कायसीरुउउरुदङ्गाभीरुः सुधायविष्टिधेय
 भकभामभिरिधुवीरगा ॥ रुवाभउरुविः ॥
 इधंययंरुदङ्गाभीरुः सुधायविष्टिधेय
 रुवाभउरुविः ॥ रुवाभउरुविः ॥
 भिदयभभुष्टुमंभिमवतायभ पुठिताः ॥
 नेभेठिगवयले ठिगीभदुदुष्टिठिः रुयत्रभ
 उमभरधमउरगा ॥ नेत्रंभिसिसुषात्रुडा
 वि ॥ रुउउभंरुदङ्गाभीरुः सुधायविष्टिधेय
 भष्टभंरुष्टुमंभिमवतायभ पुठिताः ॥
 यभेठिगवयले ठिगीभदुदुष्टिठिः रुयत्रभ

८५०

भद्राय नमः ॥ भद्रभतीरेधणीकुचतुपुभद्रभा
 वेरुवदुतगिकभा केइअपतेभद्रभतेचभुति
 धुतेचतेनमः ॥ भुतेभुतेभुमगतिप्रविष्ट
 भद्रतात्रभयिप्रविष्टुचइअभद्रसुगतिग
 लभयंभगाएगएभत्रभत्रताभिमभा ॥
 वीरेमभीवगिचइलेउकेइअभत्रीरुपिचैम
 उत्रः उमेहाकुपविचिउविउलेदुवीभि
 उतेभद्रुतभद्रुमः ॥ येदुवेमेवामएवेमभि
 एदुभ्रमेभिवुवलेकः मेवामएभिवु
 एमेभिवुभमेभिवुभमेयामवेमभिवु
 एमे ॥ येविसुमकुनउविमुतेभपेविसुतेदु
 भुउउविमुतभुत) भद्राद्रुतात्रभतेभंयु
 रेदुवपविचि ॥ त्रयनेचाकः ॥ यष्टर
 उभभतिधुत उंयेयष्टरतेपसवेयतिभवेय
 यष्टरेपविप्रतिविष्टुभंभंभुतभवेम ॥
 दुवीभि ॥ भद्रकुत्रभ्रभतीकुलेठिचालि
 वीनतीयंरुचुठियाचुभ ॥ नेमयतीभ्र

दमः
 ०३

८५०

ਦਿਸਤਰਗਤੁ: ੴ ਸਤਨਾਮੁ ਕਰਤਾ ਮਹਿਮਾਨੁ
ਮਿਥੀ ਮਾਧਿ ਸ੍ਵੈਰ ਸਤਨਾਮੁ ਕਰਤਾ ਮਹਿਮਾਨੁ
ਧਰਮੁ ਧਰਮੁ ਸਤਨਾਮੁ ਕਰਤਾ ਮਹਿਮਾਨੁ
ਨਾਮੁ ॥ ੧॥ ੨॥ ੩॥ ੪॥ ੫॥ ੬॥ ੭॥ ੮॥ ੯॥

